



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 427] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 14, 1978/भाद्र 23, 1900
No. 427] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 14, 1978/BHADRA 23, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है कि यह अलग संकलन के स्तर में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

उर्जा मंत्रालय

(कार्यपाली विभाग)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1978

अधिसूचना

का. आ. 558(अ).—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 16
द्वारा अद्यार्थिक लागू कोयला स्थान नियंत्रण आदेश, 1945 के खण्ड 3 के अनुसरण में,
तथा कोयला संरक्षण और विकास समिति की अनुशंसा के अनुसार, केंद्र सरकार
एतद्वारा यह निर्धारित करती है कि सलमा बांध के पश्चिम दिशेरगढ़ कोयला पर्स
(सीम) को जिन श्रीणियाँ और ग्रेडों में वर्गीकृत किया जाएगा वे निम्नलिखित होंगी:—

दिशरगढ़ पर्त के कोयले को, जिसका लम्बन चिनाकुरी, रानीगंज, सीतलपुर,
बर्मोडिया तथा परबेलिया स्थानों में किया जा रहा है, सांस्कारिक प्रभाव
से “कोकर कोयला” समझा जाएगा।

[संख्या 15014/2/77-सी.पी.सी./सी.आर.सी.]

एस. ए. बौद्ध, बांधुकता सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th September, 1978

S.O. 558(E).—In pursuance of clause 3 of the Colliery Control Order, 1945, as continued in force by section 16 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), and as recommended by the Coal Conservation and Development Advisory Committee, the Central Government, hereby prescribes that the classes and grades into which Dishergarh Seam, West of Salma Dyke, shall be categorised shall be as follows :—

Dishergarh seam coal as being mined at Chinakuri, Raniganj, Sitalpur, Barmondia and Parbelia will, with immediate effect be treated as 'Coking Coal'.

[No. 15014/2/77-CPC/CRC]

S. K. BOSE, Jt. Secy.